ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष-24 अंक-05 जून-I-2022 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. 8.50

'आध्यात्मिकता द्वारा प्रशासन में उत्कृष्टता' सम्मेलन का सफल आयोजन

राज्यपाल अनुसुईया उइके और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दीप जगाकर अखिल भारतीय प्रशासनिक सम्मेलन का किया शुभारम्भ

रायपुर में... प्रशासनिक सम्मेलन के दौरान हस्तियों ने कहा

- सफल प्रशासक बनने के लिए मन में करुणा, स्नेह और आदर का भाव ज़रूरी - राज्यपाल
- मन की शांति हेतु अपनाना होगा अध्यात्म और ध्यान का रास्ता - मुख्यमंत्री

रायपुर-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ 'शान्ति सरोवर' रिट्रीट सेंटर में प्रशासकों, कार्यपालकों और प्रबन्धकों के लिए आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर परियोजना के तहत ब्रह्माकुमारीज़ के प्रशासक सेवा प्रभाग द्वारा 'आध्यात्मिकता द्वारा प्रशासन में उत्कृष्टता' विषय पर सम्मेलन आयोजित किया गया। इस मौके पर राज्यपाल अनुसुईया उइके ने अपने सम्बोधन में कहा कि आप सभी सफल प्रशासक तब बन पाएंगे जब आप में करुणा, स्नेह और आदर का भाव होगा। तभी लोग आपसे बेझिझक अपनी बात कह पाएंगे और उन्हें अपनी समस्या का समाधान मिल सकेगा। प्रशासन को उत्कृष्ट बनाने के लिए नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों को प्रशासनिक कार्यप्रणाली का अंग बनाना होगा। राज्यपाल उईके ने कहा कि हम आध्यात्मिकता को जीवन में अपना लें तो देश ही नहीं अपितु संसार की व्यवस्थाएं ठीक हो जाएंगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सम्बोधित करते हुए कहा कि सुखी जीवन के लिए तन और मन का सन्तुलन आवश्यक है। यदि मन सन्तुलित होगा तो हमारे विचारों में उथल-पुथल नहीं होगी। मन शान्त रहेगा तो इससे हमारी कार्यक्षमता बढ़ेगी, जो हमारे स्वयं के लिए, परिवार और समाज के लिए अच्छा रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा देश और दुनिया में शान्ति का प्रचार किया जा रहा है। ब्रह्माकुमारीज़ के मेडिटेशन रूम में बैठने से ही शान्ति की अनुभूति होती है। आज के दौर में प्रशासकों के लिए आध्यात्मिक सम्मेलन का आयोजन सराहनीय पहल है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायलय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति गौतम चौरड़िया ने कहा कि हरेक व्यक्ति अपने जीवन का प्रबन्धक, प्रशासक व कार्यपालक है। प्रशासकों को अध्यात्म से जुड़ने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि जहाँ आध्यात्मिकता होती है वहाँ तेरा-मेरा नहीं रहता, सभी अपने हो जाते हैं। गृह सचिव अरुण देव गौतम ने कहा कि प्रशासक के व्यक्तित्व का प्रभाव प्रशासन पर अवश्य पड़ता है। इसलिए प्रशासन में उत्कृष्टता लाने के लिए अध्यात्म ज़रूरी है। प्रशासक सेवा प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. आशा दीदी ने कहा कि इच्छा शक्ति के बल पर मनुष्य जो चाहे वह कर सकता है। आज ब्रह्माकुमारीज़ दुनिया के 137 देशों में सेवा कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ में भी यह सदस्य है। यह आध्यात्मिकता से ही सम्भव हो सका। साथ ही उन्होंने कहा कि लगातार काम करते हुए बीच-बीच में मन की शान्ति के लिए मेडिटेशन ज़रूर करें। इस मौके पर कानपुर से आई.ए.एस. सीताराम मीणा, मध्यप्रदेश विधानसभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह, आई.आई.टी. भिलाई के डायरेक्टर रजत मूना, संचालक चिकित्सा शिक्षा डॉ. विष्णु दत्त, ब्र.कु. हरीश भाई,माउण्ट आबू ने भी अपने विचार रखे। इन्दौर ज़ोन की क्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. कमला दीदी ने शब्दों से सभी का स्वागत किया व भोपाल ज़ोन की क्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. अवधेश दीदी ने योगानुभूति कराई। संचालन पालम विहार सेवाकेन्द्र,गुरुग्राम की संचालिका ब्र.कु. उर्मिल दीदी ने किया।

छात्रों ने प्रदर्शित की धरती माँ की रक्षा हेतु अपनी भावनायें

मोहाली-पंजाब। ब्रह्माकुमारीज़ के सुख शांति भवन में पृथ्वी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मोहाली के पाँच विभिन्न स्कूलों के एक सौ पचास छात्रों ने भाग लिया। इस मौके पर ब्र.कु. शशि बहन ने छात्रों को 'बाह्य परिस्थितिकी तंत्र' और इसके संरक्षण के तरीकों के बारे में बताया। इसके साथ ही उन्होंने 'आंतरिक परिस्थितिकी तंत्र' से इसे जोड़ते हुए विचारों की शक्ति से इसे सशक्त बनाने की विधि बताई। ब्र.कु. अदिति बहन ने छात्रों को राजयोग ध्यान के मूल सिद्धान्तों के बारे में तथा यह कैसे दोनों प्रकार के परिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने में हमारी मदद कर सकता है ये बताया। ब्र.कु. प्रेम दीदी,प्रभारी,ब्रह्माकुमारीज़,मोहाली-रोपड़ सर्कल ने सुखी जीवन के लिए नैतिक मूल्यों को अपनाने के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने इस खूबसूरत ग्रह की रक्षा के लिए पूरे ब्रह्माण्ड के लिए अच्छी भावनाएं और अच्छे वायब्रेशन्स पैदा करने पर ज़ोर दिया। इस मौके पर छात्रों के लिए धरती माता के बारे में प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में छात्रों ने सुंदर पोस्टर बनाए जो हमारी धरती माँ को बचाने और हमारी आने वाली पीढ़ियों को हरा-भरा वातावरण प्रदान करने का संदेश देते हैं। इस मौके पर छात्रों ने प्राकृतिक संसाधनों को बचाने का संकल्प भी लिया।

बुंदेलखंड शहीद श्रद्धांजलि साइकिल मैराथन में शामिल होकर ब्रह्माकुमारी बहनों ने दिया विश्व शांति का संदेश

छतरपुर-म.प्र.। बुंदेलखंड के जलियांवाला बाग शहीद दिवस के अवसर पर जलियांवाला बाग चरण पादुका स्थल पर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए व पर्यावरण संरक्षण के साथ ऐतिहासिक विरासत को जानें, इसके लिए चरण पादुका सेवा समिति, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन एवं महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय द्वारा 'शहीद श्रद्धांजलि साइकिल मैराथन' का आयोजन किया गया। इस साइकिल मैराथन में 28 ब्रह्माकुमारी बहनों ने शामिल होकर ब्रह्माकुमारीज़ का प्रतिनिधित्व किया। यह यात्रा छतरपुर जिले से लगभग 40 कि.मी. दूर सिंहपुर चरण पादुका ग्राम जहां पर शहीदों

के स्मारक बने हुए हैं उस स्थान के लिए रवाना हुई। इस मौके पर समाजसेवी शंकरलाल सोनी ने बताया कि हर वर्ष 14 अप्रैल का दिवस बुंदेलखंड के जलियांवाला बाग शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है और आज इस विशेष कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ का सहयोग सराहनीय है। इस शुभ अवसर पर साइकिल यात्रियों को हरी झंडी दिखाने के लिए डीआईजी विवेक राज सिंह, कलेक्टर जीआर संदीप, एडीजे अनिल पाठक, सीएमएचओ डॉ. विजय पथोरिया, महर्षि विद्या मंदिर प्रिंसिपल चंद्रकांत शर्मा, केन्द्रीय विद्यालय प्रिंसिपल बिशन सिंह राठौर, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी चरण पादुका सेवा समिति से शंकर लाल सोनी सहित ब्र.कु. शैलजा बहन, ब्र.कु. माधुरी बहन, ब्र.कु. आशा बहन, ब्र.कु. रमा बहन आदि उपस्थित रहे।

नि:शुल्क नेत्र जाँच शिविर का सैकडों लोगों ने लिया लाभ

भीनमाल-राज.। दासपा के राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय में नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन दिवंगत श्रीमति पवनी देवी पारसमल सोनी की प्रथम पुण्य तिथि के उपलक्ष्य में सोनी परिवार की तरफ से हुआ। ब्रह्माकुमारीज़ भीनमाल द्वारा यह 124वां नेत्र चिकित्सा शिविर था। जिसमें 358 मरीजों की आँखों की जांच हुई एवं 42 मोतियाबिंद के मरीजों का चयन कर जालौर हॉस्पिटल भेजा गया। इस कैम्प के उद्घाटन अवसर पर दानदाता पारसमल सोनी, दासपा सरपंच विरेंद्र सिंह राठौड़, उपसरपंच दिनेश पुरोहित, दैनिक भास्कर के पूर्व संवाददाता एवं राजनेता श्रवण सिंह राठौड़, कोरा ग्राम के सरपंच खेमराज देसाई आदि उपस्थित रहे। इस मौके पर ब्र.कु. गीता बहन,स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका,ब्रह्माकुमारीज़ ने सभी को मानव सेवा का अवसर लेकर पुण्य प्राप्त करने की प्रेरणा दी। साथ ही आँखों की जाँच के विषय में मार्गदर्शन भी दिया एवं दानदाता परिवार का सम्मान भी किया। श्रवण सिंह राठौड़ ने माता-पिता की सेवा कर सत्कर्म में धन इस्तेमाल करने वालों का धन्यवाद किया। इस कैम्प में जालोर स्थित ग्लोबल फतेह आई हॉस्पिटल की टीम ने सेवाएं दीं। साथ ही प्रकाश सोनी, महेन्द्र सोनी एवं परिवार ने भी सभी की सेवाएं की तथा जालोर अस्पताल के आई केयर मैनेजर ललित ने गर्मी के समय में आँखों की हिफ़ाजत कैसे करनी है और ऑपरेशन के बाद कैसे सावधानी रखनी है, इस बारे में विस्तारपूर्वक बताया।